संक्षेप में

परियोजनाओं में निवेश करेगी बिड़ला एस्टेट्स

बी के बिड़ला समूह की रियल एस्टेट कंपनी बिड़ला एस्टेट्स ने तीन मौजूदा आवासीय परिसरों पर 1,350 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी का हर साल तीन-चार नई परियोजनाएं शुरू करने का इरादा है। कंपनी का अगले पांच साल के दौरान देश की शीर्ष रियल्टी कंपनियों में शामिल होने का लक्ष्य है। बिड़ला एस्टेट्स के सीईओ के टी जितेंद्रन ने कहा कि कंपनी ने अभी तक तीन आवासीय परियोजनाएं शुरू की हैं। कंपनी विस्तार की तैयारी कर रही है। जितेंद्रन ने कहा कि कंपनी गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर ध्यान दे रही है। मांग अब भरोसे वाले बिल्डरों के पास केंद्रित हो रही है। *भाषा*

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चेयरमैन का निधन

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चेयरमैन ली कुन-ही का निधन हो गया है। वह 78 वर्ष के थे। ली लंबे समय से बीमार थे। उन्हें सैमसंग को एक छोटी टीवी कंपनी से उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की दिग्गज ब्रांड बनाने का श्रेय जाता है। सैमसंग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ली का निधन रविवार को हुआ। उस समय उनके पुत्र ली जेई-यॉन्ग और परिवार के अन्य सदस्य उनके पास थे। ली को मई, 2014 में दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके बाद से वह अस्पताल में ही थे। *एजेंसियां*

आय में सुस्ती से थम सकती है तेजी

इस महीने निफ्टी-50 फर्मों की प्रति शेयर आय 1 फीसदी बढ़ी है क्योंकि इंडेक्स की 16 फर्मों का संयुक्त शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 1.3 फीसदी बढ़ा है

कृष्ण कांत
मुंबई, 25 अक्टूबर

- इंडेक्स की जिन 16 कंपनियों ने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं उनमें से आधी ने सालाना आधार पर शुद्ध लाभ में इजाफा दर्ज किया है
- क्रमिक आधार पर 16 में से 13 कंपनियों ने आय में बढ़ोतरी देखी है और सिर्फ तीन कंपनियों ने आय में गिरावट दर्ज की है

शुरुआती दौर में नतीजे पेश करने वाली कंपनियों के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे क्योंकि फर्मों को अर्थव्यवस्था अनलॉक होने का फायदा मिला। लेकिन यह निफ्टी-50 की फर्मों की प्रति शेयर आय में बहुत ज्यादा की बढ़ोतरी की नहीं कर पाया। टीसीएस की तरफ से 7 अक्टूबर को नतीजे पेश किए जाने के बाद से आय सीजन के पहले दो हफ्ते में इंडेक्स की प्रति शेयर आय पिछले 12 महीने के आधार पर महज एक फीसदी बढ़ी है और यह महीने के शुरू में रही 344 रुपये के मुकाबले शुक्रवार तक 347 रुपये तक ही पहुंच पाई है।

विश्लेषकों ने कहा कि निफ्टी कंपनियों की आय में रफ्तार का अभाव इंडेक्स के सीमित दायरे में रहने की एक वजह हो सकती है, जो टीसीएस व अन्य तकनीकी दिग्गजों के नतीजे पेश होने से पहले के दो हफ्ते में करीब 1000 अंक चढ़ा था। टीसीएस के नतीजे के बाद बाजार 11,900 से 12,100 के सीमित दायरे में रहा है।

इक्विनॉमिक्स रिसर्च ऐंड एडवाइजरी के संस्थापक व प्रबंध निदेशक जी चोकालिंगम ने कहा, बाजार ने अब तक उन कंपनियों को पुरस्कृत किया है जिनके शुद्ध लाभ व शुद्ध बिक्री में तिमाही आधार पर अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है। सितंबर तिमाही में ज्यादातर कंपनियों की आय जून तिमाही के मुकाबले बेहतर रही है लेकिन सालाना आधार पर बहुत सुस्त रही है, जो उनकी लंबी अवधि की आय को प्रभावित कर रहा है।

इंडेक्स की जिन 16 कंपनियों ने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं उनमें से आधी ने सालाना आधार पर शुद्ध लाभ में इजाफा दर्ज किया है, वहीं बाकी आधी कंपनियों ने शुद्ध लाभ में गिरावट दर्ज की है। क्रमिक आधार पर 16 में से 13 कंपनियों ने आय में बढ़ोतरी देखी है और सिर्फ तीन कंपनियों ने आय में गिरावट दर्ज की है।

इंडेक्स की 16 कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ तिमाही में सालाना आधार पर 1.3 फीसदी बढ़ा है, जो पहली तिमाही में 3.8 फीसदी की गिरावट के मुकाबले सुधार दर्शाता है, लेकिन पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में हुई सालाना आधार पर 16.7 फीसदी की बढ़त के मुकाबले सुस्ती दिखाता है।

इन 16 कंपनियों का संयुक्त राजस्व तिमाही दर तिमाही के आधार पर 8.5 फीसदी बढ़ा है जबकि जून तिमाही में तिमाही आधार पर यह 1.6 फीसदी घटा था और पिछले साल की समान तिमाही में सालाना आधार पर उसमें 9.3 फीसदी का इजाफा हुआ था।

इसकी तुलना में इंडेक्स कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ तिमाही आधार पर करीब 20 फीसदी बढ़ा है, वहीं राजस्व में 12 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। अब निफ्टी की प्रति शेयर आय में गिरावट की आशंका है क्योंकि आगामी हफ्तों में और कंपनियां अपने नतीजे घोषित करेंगी। चोकालिंगम ने कहा, शुरुआती नतीजे में आईटी, खुदरा बैंक व एफएमसीजी का वर्चस्व है लेकिन जब विनिर्माण, ऊर्जा उत्पादक व कॉरपोरेट लेनदार अपने नतीजे घोषित करेंगे तो इंडेक्स की कुल आय सिकुड़नी शुरू हो सकती है।

यह शेयर कीमतों प दबाव ला सकता है और बाजार में गिरावट आ सकती है। चोकालिंगम को दिसंबर के आखिर तक इंडेक्स में 10 फीसदी गिरावट की आशंका है। अन्य हालांकि इसे निराशावादी बताते हैं। सिस्टमैटिक्स इंस्टिट्यूशन इक्विटी के शोध प्रमुख धनंजय सिन्हा ने कहा, ज्यादातर अहम नतीजे उम्मीद के मुताबिक आए हैं और संकेत देते हैं कि कंपनियों की आय सुधार की राह पर है। निफ्टी स्पष्ट तौर पर निचला स्तर छोड़ चुका है और यहां से इसमें सिर्फ सुधार ही हो सकता है।

उच्चतम न्यायालय में अपील करेगी फ्रैंकलिन

ऐश्ली कुटिन्हो
मुंबई, 25 अक्टूबर

छह डेट योजनाओं को बंद किए जाने के संबंध में शनिवार के कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश के कुछ निश्चित पहलू पर फ्रैंकलिन टेम्पलटन सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर सकती है। शनिवार को निवेशकों को भेजे नोट में अध्यक्ष संजय सप्रे ने कहा है, हम अभी भी इस आदेश का अध्ययन कर रहे हैं पर शुरुआती समीक्षा के आधार पर हमारा मानना है कि आदेश के कुछ निश्चित पहलू पर सर्वोच्च न्यायालय में अपील करना जरूरी होगा। उन्होंने कहा, 5,200 करोड़ रुपये नकद वापसी और अतिरिक्त नकदी के संबंध में अदालत से उचित निर्देश हासिल करने की हमारी कोशिश होगी, जबकि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

अदालत ने हालांकि योजनाओं को बंद किए जाने के ट्रस्टियों के फैसले को सही ठहराया है और इस फैसले को लागू करने के लिए नियम 18 (15) (सी) के तहत यूनिटधारकों की सहमति की दरकार होगी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इसे लागू करने पर छह हफ्ते की रोक लगाई है, जिसका मतलब यह है कि छह योजनाएं इस समय बंद किए जाने के दायरे में है। इससे निवेश निकासी की अनुमति नहीं होगी और ट्रस्टी व एएमसी इस अवधि में कोई उधारी नहीं ले पाएंगे या किसी देनदारी का भुगतान नहीं कर पाएंगे।

अदालत ने कहा है कि निवेशक नकदी संपन्न योजनाओं से रकम हासिल करने के हकदार होंगे, अगर योजनाओं को बंद करने के ट्रस्टियों को फैसले को वैध करार दिया जाता है। निवेशकों को तब रकम मिलेगी जब योजनाओं की परिसंपत्तियां बिकेंगी, लेकिन इससे पहले लेनदारों को भुगतान किया जाएगा और खर्च का प्रावधान करना किया जाएगा। फिलिपकैपिटल के कंसल्टेंट जयदीप सेन ने कहा, अदालत ने कहा है कि यूनिधारकों की मंजूरी के बिना योजनाएं बंद करना वैध नहीं है। अगर यूनिटधारक इससे सहमत नहीं होते तो जब यह रीडम्पशन यानी निवेश निकासी के लिए खुलेगा तो उसमें भारी बिकवाली देखने को मिलेगी। इससे कम बिक्री कीमत मिलेगी।

अगर सर्वोच्च न्यायालय इस मामले पर स्थगन आदेश जारी करता है तो निवेशकों की रकम कुछ और वक्त तक फंसी रह सकती है।

आशियाना इस्पात लिमिटेड

ASHIANA GROUP A Symbol of Quality

सीआईएनः L27107RJ1992PLC006611
पंजी. कार्या.: ए–1116, फेस–III, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, जिला अलवर (राजस्थान) भिवाड़ी–301019
ई–मेलः ail@ashianaispat.in | वेबसाइटः www.ashianaispat.in

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटन आवश्यकताएँ) नियमावली, 2015 के नियम 29 के साथ पठित नियम 47 और अन्य लागू प्रावधानों के अनुसार अन्य विषयों के साथ 30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अलेखापरीक्षित एकल वित्तीय परिणामों पर विचार और अनुमोदन हेतु कंपनी के निदेशक मंडल की सभा कारपोरेट कार्यालयः 908–910, पर्ल्स बेस्ट हाईट्स–II, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 में शनिवार, 07 नवंबर, 2020 को आयोजित की जायेगी।

विवरण कंपनी की उपरोक्त वेबसाइट और बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट (www.bseindia.com) पर उपलब्ध होगा।

हिते आशियाना इस्पात लिमिटेड
हस्ता./–
(नरेश चंद)
अध्यक्ष
डीआईएनः 00004500

स्थान : दिल्ली
दिनांकः 24.10.2020

क्षेत्रीय निदेशक के समक्ष उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली

कंपनीज़ अधिनियम, 2013, कंपनीज़ अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) और कंपनीज़ (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30(5) (ए) के मामलें में

तथा

मनन गारमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U18101DL2005PTC137593) जिसका पंजीकृत कार्यालय 41, पॉकेट–2, जसोला, नई दिल्ली – 110025 में है के मामलें में

.....आवेदक

एतद्द्वारा सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि कंपनी अपने पंजीकृत कार्यालय को **"दिल्ली के रा.रा.क्षे."** से **"उत्तर प्रदेश राज्य"** में स्थानान्तरित करने के सक्षम बनाने हेतु कंपनीज़ अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अन्तर्गत 15.10.2020 को आयोजित कंपनी की असाधारण सामान्य बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुकूल, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के समक्ष कंपनी की संस्था बहि नियमावली में परिवर्तन करने की याचिका प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।

यदि किसी व्यक्ति का हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है तो **वह निवेशक शिकायत फॉर्म फाइल कर एमसीए–21 पोर्टल (www.mca.gov.in) में शिकायत दर्ज कर सकता है** या शपथ पत्र द्वारा समर्थित उसके हित की प्रकृति एवं विरोध का आधार बताते हुए, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से चौदह दिनों के अन्दर क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र के बी–2 विंग, 2 फ्लोर, दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली – 110003 को पंजीकृत डाक द्वारा सूचित करें, और एक प्रतिलिपि आवेदक कंपनी के ऊपर उल्लेखित पंजीकृत कार्यालय के पते पर भेजी जानी चाहिए।

कृते और आवेदक की ओर से
हस्ता/–
स्थानः नई दिल्ली **मुनीष ढींगरा**
तिथिः 23.10.2020 **DIN: 00511775**

बीएस बातचीत

वास्तव में लौट आई है वाहन कंपनियों की मांग

सीजन के लिहाज से कमजोर तिमाही में जेएसडब्ल्यू स्टील ने जून तिमाही के 582 करोड़ रुपये के नुकसान से उबरकर सितंबर में 1,595 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया। अदिति दिवेकर और ईशिता आयान दत्त को दिए साक्षात्कार में जेएसडब्ल्यू स्टील के संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्त अधिकारी (समूह) शेषगिरि राव ने कहा कि मई से सालाना आधार पर कुछ क्षेत्रों में सुधार देखने को मिला है। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश...

सितंबर तिमाही में जेएसडब्ल्यू स्टील के राजस्व में इजाफा हुआ है। क्या है मांग में अचानक हुई उछाल का नतीजा है?

पहली तिमाही में भारतीय स्टील की मांग 50 फीसदी घटी, वहीं दूसरी तिमाही में सिर्फ 10 फीसदी घटी। सितंबर 2019 में भी देश में स्टील का उपभोग 85 लाख टन रहा था जबकि सितंबर 2020 में 80 लाख टन रहा। ऐसे में स्टील की मांग को लेकर देसी बाजार में काफी सुधार हुआ है। अंतर सिर्फ फ्लैट व लॉन्ग स्टील उत्पादों को लेकर है। लॉन्ग उत्पाद सीजन के लिहाज से कमजोरी के कारण घटा क्योंकि निर्माण गतिविधियां सुस्त रहीं। उधर फ्लैट स्टील की स्थिति बेहतर रही। मई से हम सुधार देख रहे हैं लेकिन आश्चर्यजनक चीज वाहन कंपनियों की मांग है, जो वास्तव में वाणिज्यिक वाहनों में सुधार के बिना लौट आया है। दोपहिया व यात्री वाहनों की स्थिति काफी अच्छी है। वाहन क्षेत्र को होने वाली बिक्री 400 फीसदी बढ़ी है। मुझे भरोसा है कि यह अचानक मांग में हुई उछाल का नतीजा नहीं है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत है और सुदृढ़ भी। कृषि उपकरण, ट्रैक्टर और टिकाऊ उपभोक्ता भी बेहतर रहे हैं।

वाहन क्षेत्र को बिक्री में सालाना आधार पर बढ़ोतरी हुई है?

सालाना आधार पर 33 फीसदी बढ़ोतरी हुई जबकि तिमाही आधार पर 400 फीसदी। अगर हम सबसे अच्छी तिमाही (2018 की चौथी तिमाही) से अघर हम वाहन कंपनियों को बिक्री की तुलना करें तो हम उसके 80 फीसदी स्तर पर पहुंच गए हैं।

क्या आप देसी स्टील की मांग टिकाऊ देख रहे हैं?

टिकाऊपन कोई समस्या नहीं है। सवाल सिर्फ यह है कि क्या साल की शुरुआत में उद्योग ने जो 1.5-1.6 करोड़ टन गंवाए हैं वह तीसरी व चौथी तिमाही में रिकवर हो सकता है। मेरा मानना है कि निश्चित तौर पर ऐसा नहीं होगा। तीसरी-चौथी तिमाही में हम 1.5 करोड़ टन रिकवर करने में सक्षम नहीं होंगे, लेकिन तिमाहियों में मांग की रिकवरी उद्योग के लिए कोई मसला नहीं होगा।

आपको कर्नाटक व ओडिशा की खुद की लौह अयस्क खदानों का पूरा फायदा कब दिखेगा?

ओडिशा में हमारे चार खदान परिचालन में हैं। हमें यहां कुल 1.1 अरब टन के कुल संसाधन में से 2.9 करोड़ टन के लिए पर्यावरण मंजूरी मिली हुई है। इससे हम डोल्वी की जरूरतें पूरी कर सकते हैं, तब भी जब यह मार्च 2021 में 1 करोड़ टन का हो जाएगा तो 1.7 करोड़ लौह अयस्क की जरूरत सिर्फ ओडिशा खदान से पूरी हो जाएगी। 10 लाख टन वाले सेलम प्लांट के लिए माल पूरी तरह ओडिशा से आ सकता है। लेकिन अभी हम लॉजिस्टिक्स समस्या के कारण पूरी जरूरतें ओडिशा से पूरी नहीं कर सकते।

ओएनजीसी ONGC

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
Oil and Natural Gas Corporation Limited

अभिरूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)

ओएनजीसी विकसित क्षेत्रों (मैच्योर फील्ड्स) से उत्पादन संवर्द्धन के निष्पादन हेतु आवश्यक तकनीकी एवं वित्तीय सुदृढ़ता धारक वैश्विक ऑयल एवं गैस कम्पनियों से ईओआई आमंत्रित करती है

प्रमुख विशेषताएं

- ओएनजीसी "उत्पादन संवर्द्धन संविदा (पीईसी)" के अंतर्गत इसके तटवर्ती विकसित क्षेत्रों (ऑनशोर मैच्योर फील्ड्स) से उत्पादन संवर्द्धन, वैश्विक प्रतिष्ठा की उपयुक्त ऑयल एवं गैस कम्पनियों के साथ आरंभ करने की इच्छुक है, जो ऐसे फील्ड्स से प्रतिप्राप्ति सुधार द्वारा उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीकी महारत, वित्तीय सामर्थ्य और संसाधनों की धारक हैं।
- पीईसी की अवधि 15 वर्ष अथवा अधिक होगी।
- कम्पनियों से नई प्रौद्योगिकियों के प्रयोग द्वारा विद्यमान उत्पादने उत्पादन बढ़ाने के लिए कैपेक्स और ओपेक्स में निवेश की प्रतिबद्धता अपेक्षित होगी।
- इच्छुक कम्पनियों को सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला (वैल्यू चेन) में संकलित सामर्थ्य और इस प्रकार की संविदाओं के सफल निष्पादन का अनुभव भी अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करना चाहिए।

उद्देश्य

- उत्पादन संवर्द्धन में प्रतिभागिता के लिए संभावित भागीदारों (ई एवं पी कम्पनियां, सेवा प्रदाता एवं प्रौद्योगिकी दावेदार) की रूचि के स्तर का आकलन करना
- इच्छुक कम्पनियों की संबद्ध महारत/अनुभव/वित्तीय एवं तकनीकी सामर्थ्य को समझना
- पीईसी के संभावित व्यवसाय माडल (संविदा के प्रमुख नियमों एवं शर्तों सहित) तथा योग्यता मानदंडों/चयन क्रियाविधि के विषय में विचार और सुझाव प्राप्त करना

इच्छुक पार्टियों से, अतिरिक्त विवरण के लिए, वेबसाइट http://tenders.ongc.co.in देखने का अनुरोध है

पंजीकृत कार्यालय :
प्लॉट नंबर 5ए नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, नई दिल्ली–110070
कार्पोरेट पहचान संख्या : एल74899डीएल1993जीओआई054155
फोन नंबर 011–2672011, फैक्स नंबर : 011–26750991/26129091

अधिक जानकारी के लिए कृपया https://tenders.ongc.co.in; https://etender.ongc.co.in पर जाएं

केनबैंक फैक्टर्स लि.
(केनरा बैंक की अनुषंगी)

पंजीकृत कार्यालयः #67/1, कनकपुरा मेन रोड, बसवानागुड़ी, बैंगलोर–560004
शाखा कार्यालयः नं. 1, डीडीए बिल्डिंग, प्रथम तल, निकट पारस सिनेमा, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–110019
फोनः 011–26287129/40113698, सीआईएन नं.: U85110KA1991PLC011960
ई–मेलः canfact.del@canbankfactors.com वेबसाइटः www.canbankfactors.com

बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) व (9) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्व सामान्य और विशेष रूप से कर्जदार(ओं) व जमानती(ओं) को सूचित किया जाता है कि प्रत्याभूत ऋणदाता को बंधक/प्रभारित नीचे उल्लिखित अचल संपत्ति जिसका केनबैंक फैक्टर्स लि., नई दिल्ली के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक कब्जा लिया गया है, केनबैंक फैक्टर्स लि., नई दिल्ली शाखा को देय **रु. 9,67,95,826.53** (रुपये नौ करोड़ सड़सठ लाख पिचानवे हजार आठ सौ छब्बीस और तिरपन पैसा मात्र) की वसूली के लिए "जो है जैसी है", "जहाँ है जैसी है", और "जो भी है" आधार पर 04.12.2020 को बिक्री की जायेंगी।

कर्जदारों के नाम और पतेः–

1. मेसर्स भारत लॉजिट्रांस प्रा. लि., 23, प्रथम तल, सिरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली–110049 और यहाँ भीः नं. 408, डीएलएफ कुतुब प्लाजा, डीएलएफ सिटी, फेज–I, गुरूगांव–122002 और यहाँ भीः नं. 18, एमयूएल के सामने, गेट नं. 2, पालम गुडगांव रोड, गुडगांव–122015
2. श्री रोहित खैतान, पुत्र स्व. श्री हर गोविंद खैतान डी–74, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 और यहाँ भीः ए–64, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 और यहाँ भीः ई 4/1, सेक्टर 26ए, डीएलएफ फेज–I, गुडगाँव, हरियाणा–122002
3. सावित्री देवी खैतान, पत्नी स्व. हर गोविंद खैतान, डी–74, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 और यहाँ भीः ए–64, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 और यहाँ भीः ई 4/1, सेक्टर 26ए, डीएलएफ फेज–I, गुडगाँव, हरियाणा–122002
4. श्रीमती मधुलिका वैश (विधिक प्रतिनिधि), पत्नी श्री कपिल वैश, पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, निवासी 25, हनुमान रोड, क्नाट प्लेस, नई दिल्ली –110001
5. सुश्री सुधा खैतान (विधिक प्रतिनिधि) पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, गुलाब कुंज, खैतान लेन, बोरिंग केनाल रोड का वेस्ट, पी.एस.– कृष्णापुरी, पटना, बिहार–800001
6. श्रीमती नीरजा कसलीवाल (विधिक प्रतिनिधि) पत्नी श्री हिमांशु कसलीवाल, पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, निवासी एसबी–14, भवानी सिंह मार्ग, बापा नगर, जयपुर, राजस्थान–302015
7. श्रीमती मधुश्री मोदी (विधिक प्रतिनिधि), पत्नी श्री ऋषि मोदी, पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, निवासी मोदी प्लाजा, ओल्ड अनाज मंडी, नवा गेट, पटियाला, पंजाब–147001

जमानतियों के नाम और पतेः–

1. श्री रोहित खैतान, पुत्र स्व. श्री हर गोविंद खैतान डी–74, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 और यहाँ भीः ए–64, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 और यहाँ भीः ई 4/1, सेक्टर 26ए, डीएलएफ फेज–I, गुडगाँव, हरियाणा–122002
2. सावित्री देवी खैतान, पत्नी स्व. हर गोविंद खैतान, डी–74, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 **और यहाँ भी**ः ए–64, ओकवुड एस्टेट अपार्टमेंट्स, अक्षनीम मार्ग, डीएलएफ फेज–II, गुडगाँव–122002 और यहाँ भीः ई 4/1, सेक्टर 26ए, डीएलएफ फेज–I, गुडगाँव, हरियाणा–122002
3. श्रीमती मधुलिका वैश (स्व. हर गोविंद खैतान की विधिक प्रतिनिधि), पत्नी श्री कपिल वैश, पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, निवासी 25, हनुमान रोड, क्नाट प्लेस, नई दिल्ली –110001
4. सुश्री सुधा खैतान (स्व. हर गोविंद खैतान की विधिक प्रतिनिधि) पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, गुलाब कुंज, खैतान लेन, बोरिंग केनाल रोड का वेस्ट, पी.एस.– कृष्णापुरी, पटना, बिहार–800001
5. श्रीमती नीरजा कसलीवाल (स्व. हर गोविंद खैतान की विधिक प्रतिनिधि), पत्नी श्री हिमांशु कसलीवाल, पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, निवासी एसबी–14, भवानी सिंह मार्ग, बापा नगर, जयपुर, राजस्थान–302015
6. श्रीमती मधुश्री मोदी (स्व. हर गोविंद खैतान की विधिक प्रतिनिधि), पत्नी श्री ऋषि मोदी, पुत्री स्व. हर गोविंद खैतान, निवासी मोदी प्लाजा, ओल्ड अनाज मंडी, नवा गेट, पटियाला, पंजाब–147001

आरक्षित मूल्य **रु. 2,90,00,000/– (रुपये दो करोड़ नब्बे लाख मात्र)** है और धरोहर राशि जमा **रु. 29,00,000/– (रुपये उनतीस लाख मात्र)** दिनांक **01.12.2020 अप. 5.30** तक जमा करनी होगी।
ई–नीलामी की तिथि व समयः 04.12.2020 पूर्वा. 11 से अप. 1 तक

संपत्ति का विवरण और पूरी जानकारीः

पट्टा नं. 454, लोसल टाउन, बार्ड नं. 14, दातारामगढ़ तहसील, जिला–सिकर, राजस्थान, परिबद्ध– उत्तर में रोड; पूर्व में रोड; दक्षिण में रोड; पश्चिम में– सत्य नारायण खैतान की भूमि। भूमि माप 11,241.26 वर्ग मीटर

बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया सेवा प्रदाता अर्थात ई प्रक्योरमेंट टैक्नोलॉजीज लि. की वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net, प्रत्याभूत ऋणदाता मेसर्स केनबैंक फैक्टर्स लि. की **वेबसाइटः** www.canbankfactors.com पर दिए लिंक देखें या किसी भी कार्य दिवस को कार्यालयीन अवधि में केनबैंक फैक्टर्स लि. (केनरा बैंक की अनुषंगी) नई दिल्ली शाखा, नं. 1, डीडीए बिल्डिंग, प्रथम तल, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–110019 (फोन नं. 011–26287129/40113698/9016077867/9953220910/9951134627/9990997897) ई–मेल आईडीः canfact.del@canbankfactors.com को संपर्क कर सकते हैं।

दिनांक : 22.10.2020 स्थानः नई दिल्ली **प्राधिकृत अधिकारी** केनबैंक फैक्टर्स लिमिटेड (केनरा बैंक की अनुषंगी) नई दिल्ली शाखा

यात्री वाहन के लिए टाटा मोटर्स तलाश रही भागीदार

भाषा
नई दिल्ली, 25 अक्टूबर

टाटा मोटर्स अपने यात्री वाहन कारोबार के लिए भागीदार की तलाश कर रही है। टाटा मोटर्स के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कंपनी अगले दशक की वृद्धि के लिए तैयारी कर रही है। इस दौरान नई प्रौद्योगिकियों, नियमनों में भारी निवेश देखने को मिलेगा। कंपनी द्वारा अपने यात्री वाहन कारोबार के लिए एक अलग इकाई बनाने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। साथ ही वह सक्रिय तरीके से भागीदार की तलाश में जुटी है। इससे पहले टाटा मोटर्स के निदेशक मंडल ने इसी साल एक अलग इकाई बनाने की मंजूरी दी थी। कंपनी यह इकाई अपने यात्री वाहन कारोबार और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बना रही है। इस इकाई में कंपनी अपने संबद्ध कारोबार की संपत्तियां, बौद्धिक संपदा तथा कर्मचारियों को स्थानांतरित करेगी जिससे एकल आधार पर इसका संचालन किया जा सके।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहन कारोबार इकाई (पीबीबीयू) के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, इस प्रक्रिया का पूरा उद्देश्य सक्रिय तरीके से भागीदार की तलाश करना है। वास्तविकता यह है कि सहयोग से हम अगले दशक के लिए क्षमता का बेहतर तरीके से दोहन कर सकते हैं।

बजाज ऑटो की बिक्री सुधरी

देश की दोपहिया वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बजाज ऑटो की अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित निर्यात बाजारों की मांग में उल्लेखनीय सुधार आ रहा है। बजाज ऑटो के मुख्य वित्त अधिकारी सोमेन रे ने कहा कि घरेलू बाजार की तुलना में निर्यात बाजार कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन से कम प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, सुधार की बात की जाए तो हमारा अंतरराष्ट्रीय कारोबार घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। जिन भी देशों को हमारा निर्यात है, वे कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए हैं। रे ने कहा कि अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया की मांग काफी अच्छी है। चिंता वाले दो क्षेत्र आसियान और श्रीलंका हैं। आसियान के प्रमुख बाजारों फिलिपींस और कंबोडिया में लॉकडाउन और अंकुश लागू हैं। वहीं श्रीलंका सरकार ने वाहनों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। रे ने कहा कि इन दो बाजारों को छोड़कर अन्य में वाहनों की मांग मजबूत बनी हुई है। *भाषा*

परिचालन खर्च 20 फीसदी घटाएंगे : येस बैंक

येस बैंक में लागत नियंत्रण की संस्कृति का अभाव है और नए प्रबंधन के तहत निजी क्षेत्र का यह बैंक चालू वित्त वर्ष 2020-21 में परिचालन खर्च में 20 फीसदी की कटौती का लक्ष्य लेकर चल रहा है। येस बैंक के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक निदेशक प्रशांत कुमार ने कहा, बैंक पट्टे पर लिए गए गैरजरूरी स्थलों को वापस कर रहा है।

कुमार ने कहा कि बड़े चूककर्ता अदालतों की शरण में जा रहे हैं, जिससे मुंबई के इस बैंक को ऋण वसूली में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। येस बैंक के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी राणा कपूर के कार्यकाल में कामकाज के संचालन में कई खामियां सामने आने के बाद भारतीय स्टेट बैंक की अगुआई में बैंकों के गठजोड़ ने बैंक में पूंजी डॉलकर इसे बचाया था। उसके बाद मार्च में कुमार को बैंक का नया प्रमुख नियुक्त किया गया था। सितंबर तिमाही में बैंक के परिचालन लाभ में 21 फीसदी की गिरावट आई थी। कुमार ने कहा, दुर्भाग्य की बात यह है कि बैंक में लागत पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने बताया कि एक वैश्विक परामर्शक ने चालू वित्त वर्ष में 2019-20 की तुलना में परिचालन खर्च में 20 फीसदी की कमी लाने के लिए कदम-दर-कदम एजेंडा सुझाया है। कुमार ने कहा कि बैंक ने मध्य मुंबई के इंडियाबुल्स फाइनेंस सेंटर में पहले ही दो फ्लोर छोड़ दिए है। इसके अलावा बैंक सभी 1,100 शाखाओं के लिए किराए पर नए सिरे से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से बैंक को किराए में करीब 20 फीसदी की कमी आने की उम्मीद है। *भाषा*

बिज़नेस स्टैंडर्ड
दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस (प्रा.) लिमिटेड, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301, उ. प्र. से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० WBHIN/2008/24333
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं1
टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स- 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया संपर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57007 पर एसएमएस करें SUB BS

डिसक्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं